हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(बसंत)(पाठ 16)(तुलसीदास – वन के मार्ग में)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई ?
उत्तर 1:
नगर के बाहर सीता जी ने दो कदम ही रखे थे कि उनके माथे पर पसीना आ गया थकान महसूस होने लगी और रामचंद्र जी से पूछने लगीं कि अभी और कितना चलना है पर्णकुटी कहॉ पर बनाएंगे ।

प्रश्न 2:
'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा' किसने किससे पूछा और क्यों ?
उत्तर 2:
सीता जी ने राचंद्रजी से पूछा क्योंकि वे बहुत थक चुकी थीं और विश्राम करना चाहती थीं ।

प्रश्न 3:
राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की ?
उत्तर 3:
राम ने थकी हुई सीता को देखकर लक्ष्मण को जल लेने के लिए भेज दिया और स्वयं पेड़ के नीचे बैठकर अपने पैरों की धूल को साफ करने लगे तथा पैरों के कॉटे धीरे–धीरे निकालने लगे जिससे सीता कुछ देर और विश्राम कर सकें ।

प्रश्न 4: दोनों सवैयों के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट करो।
उत्तर 4:
पहले सवैयें में सीता की व्याकुलता का वर्णन है तो दूसरे सवैये में राम के द्वारा सीता की व्याकुलता को देखकर पेड़ के नीचे बैठकर देर तक विश्राम करने का वर्णन है ।

प्रश्न 5:
पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन अपने शब्दों में करो।।
उत्तर 5:
वन का मार्ग कॉटों से भरा था । बहुत गर्मी थी । धूल मिट्टी के कारण थोड़ा सा चलने पर ही थकान होने लगती थी ।